



माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय  
भोपाल, के नई परीक्षा प्रणाली के अनुसार

Narendra Publication's

# Best Question Bank



DCA Semester -2

इंटरनेट  
एण्ड  
ई-कार्मस

BCST **कर्नक**  
कंप्युटर ऐजुकेशन  
माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध  
प्रवेश प्रारंभ प्रवेश सूचना 2020-21  
**DCA PGDCA**  
कृष्णा टाकीज के पीछे बाजार वाली गली मुलताई मोब 9589995353

# Unit-1

5. प्रोटोकॉल क्या है? इंटरनेट पर इस्तेमाल होने वाले कम से कम 5 प्रोटोकॉल के उद्देश्य की सूची दीजिए ।

**what is protocol ? list out names and purpose of at least 5 protocol that are used on internet (june 2016)**

या

डाटा ट्रांसमिशन में कितने प्रकार के प्रोटोकॉल्स का प्रयोग होता है? समझाइये ।

**How many types of protocols are used in Data Transmission? Explain. (June 2011)**

उत्तर :- इंटरनेट के प्रोटोकॉल

इंटरनेट में लाखों कम्प्यूटर एक दूसरे से जुड़े होते हैं, यह असंभव है कि सभी कम्प्यूटर का **configuration** एक समान हो। इसलिए इंटरनेट सुचारू रूप से चल सकें इसके लिए कुछ नियम बनाये गये हैं, इन नियमों को प्रोटोकॉल कहा जाता है। इंटरनेट में प्रोटोकॉल को निम्न तरीके से परिभाषित किया जा सकता है, यह नियमों एवं आवश्यकताओं का एक मानक समूह है, जो दो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जोड़ने एवं उनके बीच में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए बनाया है। प्रोटोकॉल नेटवर्क में जुड़े डिवाइसों के बीच में डाटा का स्थानांतरण नियंत्रित करता है, यदि समस्या आती है, तब **error** संदेश दर्शाता, साथ ही स्थानांतरण की प्रक्रिया के अनुसार डाटा को संभालता है। एक डिवाइस से डाटा कैसे जाना चाहिए एवं दूसरे डिवाइस ने डाटा कैसे प्राप्त करना है, यह प्रोटोकॉल निश्चित करता है। प्रोटोकॉल का निर्माण बिना किसी त्रुटि के

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

इंटरनेट पर डाटा के आदान-प्रदान को सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। प्रोटोकॉल के द्वारा किसी भी डाटा का वास्तविक फॉरमेट स्पष्ट किया जाता है। साथ ही उन परिस्थितियों को भी स्पष्ट किया जाता है, जिसमें कोई कम्प्यूटर संदेश भेज सकता है। संचार प्रोटोकॉल निम्नलिखित बिंदुओं को निर्धारित करता है।

- एक नेटवर्क में कम्प्यूटरों एवं उससे लगे हुए विभिन्न डिवाइसों का भौतिक संयोजन किस प्रकार से रखी जानी चाहिए।
- डाटा प्रसारण के समय डाटा किस रूप में होना चाहिए।
- प्राप्तकर्ता कम्प्यूटर द्वारा डाटा की प्राप्ति की सूचना प्रेषक को किस तरह से दी जानी चाहिए।
- नेटवर्क में किसी प्रकार के समस्या की सूचना किस प्रकार से मिलनी चाहिए एवं उसे ठीक करने के क्या उपाय होने चाहिए।

### User datagram protocol (UDP)

इंटरनेट प्रोटोकॉल के समूह में यह एक महत्वपूर्ण प्रोटोकॉल है। जब कोई कम्प्यूटर इस प्रोटोकॉल का प्रयोग करते हुए संदेश या जानकारी भेजता है, तब उसे **datagram** के रूप में रखता है। एक **datagram** में एक संदेश की इकाई रहती है, इसमें प्रथम 8 **byte**, **datagram** में उस संदेश के **header** को रहता है, तथा बाकी बाइट संदेश को वहन करते हैं। यह बहुत सरल एवं तेज प्रणाली है, लेकिन इसमें यदि कोई संदेश वांछित जगह पर नहीं पहुँचता है, तब उसका **error** संदेश नहीं दर्शाया जाता है। इस प्रकार के प्रोटोकॉल में कोई निश्चितता नहीं होती है, कि वह सही जगह पर पहुँच ही जाए। लेकिन जहाँ संदेश तेजी से भेजना है, या जहाँ एक साथ बहुत लोग आपस में संदेशों का आदान-प्रदान कर रहे हैं वहाँ पर इस प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाता है।

### Internet control message protocol

इस प्रोटोकॉल का काम जिस नेटवर्क में हम जुड़ रहे हैं, या जुड़ना चाहते हैं, वह सही तरीके से काम कर रहा है, या नहीं कर रहा है, यह देखना है। यह प्रोटोकॉल इंटरनेट में डाटा स्थानांतरण का काम नहीं करता है, अपितु इंटरनेट पर समस्या के निदान का काम करता है। इस

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

प्रोटोकॉल का प्रयोग IP (internet protocol) के साथ ही होता है। इसका प्रयोग साधारणतः प्रयोगकर्ता के कम्प्यूटर में नहीं होता है, अपितु इसे router में प्रयोग किया जाता है। इसका प्रयोग मुख्यतः नेटवर्क कम्प्यूटर के ऑपरेटिंग सिस्टम में किया जाता है।

### Address resolution protocol

यह एक telecommunication प्रोटोकॉल है, जो network layer address को link layer address में प्रस्तावित करता है। यह सिर्फ एक नेटवर्क के अंदर ही कार्य कर सकता है।

### Reverse address resolution protocol(RARP)

इस प्रकार का प्रोटोकॉल जब कोई LAN में जुड़ी हुई कम्प्यूटर किसी gateway server को IP address का निवेदन करता है, तब प्रयोग होता है। LAN नेटवर्क के gateway router में नेटवर्क administrator टेबल बनाता है। उस टेबल में नेटवर्क में जुड़ी सभी कम्प्यूटर का IP address का पता होता है। जब उस LAN में नई मशीन जोड़ी जाती है, तब client कम्प्यूटर सर्वर कम्प्यूटर से जोड़ी गई नई मशीन का IP address पूछता है। उसे RARP सर्वर उस नई मशीन का IP address देता है, जो भविष्य में उस कम्प्यूटर को इंटरनेट से जोड़ने में सहायक होता है। यद्यपि यह प्रोटोकॉल बहुत कम प्रयोग हो रहा है।

### Trivial file transfer protocol(TFTP)

इस प्रोटोकॉल का प्रयोग नेटवर्क में फाइलों के आदान-प्रदान के लिए होता है। यह एक सरल प्रोटोकॉल है। इसका प्रयोग साधारणतः सिस्टम फाइल, configuration आदि फाइलों के स्थानांतरण के लिए होता है। इसके सरल डिजाइन के कारण, इसे प्रयोग करने में बहुत कम मेमोरी की आवश्यकता होती है। इसका प्रयोग साधारणतः उन मशीनों के booting प्रक्रिया के लिए होता है, जिसमें data storage device नहीं है। इसका प्रयोग host एवं क्लाइंट कम्प्यूटर के बीच में छोटे आकार के डाटा स्थानांतरित के लिए होता है।

### Echo protocol

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

यह प्रोटोकॉल **echo server** को यह जानकारी देता है की, जो डाटा भेजा गया है, वह सही तरीके से अपने गंतव्य स्थान पर पहुँच गया है। यह **Internet protocol** की हि एक सुविधा है।

### **Routing information protocol**

इस प्रोटोकॉल का कार्य डाटा को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते समय कितने **router** से गुजरा है, उसकी गणना करना है। इस प्रोटोकॉल में डाटा जहाँ से जा रहा है, उससे संबंधित जानकारी एक टेबल में रखी जाती है। उस टेबल के सूचना पर आधार एक होस्ट कम्प्यूटर को यह पता चलता है की, पैकेट का होस्ट कम्प्यूटर कौन सा है। इस प्रोटोकॉल में किसी डाटा स्थानांतरण के लिए अधिकतम 15 **router** का ही प्रयोग हो सकता है। इसका प्रयोग बहुतायत बड़ी कंपनी के निजी नेटवर्क में होता है।

### **Packet exchange protocol**

जहाँ पर एक बार में एक पैकेट का स्थानांतरण हो रहा है, वैसी प्रणाली में इस प्रोटोकॉल का उपयोग पैकेट वितरण में होता है। यह बहुत अधिक विश्वसनीय प्रोटोकॉल नहीं है। यह प्रोटोकॉल प्रत्येक पैकेट को अलग जांचता है। जब पैकेट भेजना चालू होता है, तब एक टाइमर चालू हो जाता है, तथा जब तक वह गंतव्य स्थान पर नहीं पहुँचा है, तब तक चालू रहता है। इस टाइमर से एक बार में एक ही पैकेट की डिलेवरी होती है।

### **Sequenced packet protocol**

जिस पर एक से अधिक कनेक्शन में पैकेट का स्थानांतरण किया जाता है, उस समय इस प्रोटोकॉल का प्रयोग होता है। यह एक विश्वसनीय प्रोटोकॉल है, इस नियम से किये गये पैकेट की डिलीवरी निश्चित होती है। जहाँ पर पैकेट भेजना है, वह एक **id reference** नंबर, पैकेट के साथ भेजा जाता है। प्रत्येक भेजे हुए पैकेट पर उनके स्थिति के अनुसार नंबर दिये जाते हैं। तथा अंत में पहुँचने वाले पैकेट में उसके प्राप्ति की सूचना डाली जाती है।

इसके अतिरिक्त निम्न प्रोटोकॉल का भी उपयोग होता है।

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

---

Error protocol

internet datagraph protocol

Unix to Unix copy protocol

### **SMTP**

यह मेल प्रेषण के लिए प्रयुक्त होने वाला प्रोटोकॉल है, जैसे ही कोई प्रयोगकर्ता मेल प्रेषित करता है, **SMTP** उसे अगले सर्वर पर प्रेषित कर देता है, फिर वह दूसरे सर्वर पर जाता है। इसी तरह वह मेल वांछित सर्वर पर पहुँचता है। यह एक सरल **ASCII** प्रोटोकॉल है। एक बार **TCP** कनेक्शन को **25 port** में सेट करने के बाद, भेजने वाला कम्प्यूटर एक **client** की तरह काम करता है तथा जिसे भेजना है, वह कम्प्यूटर एक सर्वर की तरह काम करता है। सर्वर एक संदेश भेजता है, जिसमें बताता है, कि वह (सर्वर) किसी **e-mail** को प्राप्त करने की स्थिति में है या नहीं। यदि सर्वर मेल प्राप्त करने के स्थिति में नहीं है, तब वह **email** नहीं भेजा जा सकता है, तथा उसे बाद में फिर से भेजने की कोशिश करना पड़ता है। यदि सर्वर उसे लेने के स्थिति में है, तब **client** उसे बताता है, कि **e-mail** कहाँ से आना है, तथा कहाँ भेजना है। उसके बाद सर्वर वह **mail** भेजने के लिए आदेश देता है। मेल प्राप्त होने के बाद सर्वर उसकी स्वीकृति देता है। नीचे एक ई-मेल का उदाहरण दिया है, जिसमें एक कोड है, जो **SMTP** द्वारा प्रयोग किया गया है। जो टेक्स्ट **Client** द्वारा भेजी जाती है, उसे **Server** "C:," तरह से मार्क करता है।

*from :naren\_pub@yahoo.com*

*To : [vijay@yahoo.com](mailto:vijay@yahoo.com)*

*MIME:- Version 1.0*

*Message-Id: [045780941.BA00541@yahoo.com](mailto:045780941.BA00541@yahoo.com)*

*Content -Type : Alternate/Books;Boundary=qerdst*

*Subject: About the delivery of books*

यद्यपि **SMTP** बहुत अच्छे से बनाया गया है, फिर भी इसमें कुछ समस्याएँ हैं। प्रथम यह बहुत बड़े मेल जैसे **64KB** से बड़े मेल को अच्छे

---

**Narendra Publication's Best Question Bank**

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

तरीके से स्थानांतरण नहीं कर पाता है। दूसरा यदि **client** या सर्वर दोनों में से कोई एक अलग काम में व्यस्त है, तब बहुत बार उनका कनेक्शन टूट जाता है। इन समस्याओं को खत्म करने के लिए एक आधुनिकतम प्रोटोकॉल बनाया गया है, जिसे **ESMTP (Extended Simple Mail Transfer Protocol)** कहा जाता है।

**POP** :- यह प्रोटोकॉल जो सर्वर तक उपयोगकर्ता के लिए आयी है, ई-मेल को, प्रयोगकर्ता के कम्प्यूटर पर लाता है, तथा उसके लिए कम्प्यूटर पर डाउनलोड करता है।

**SLIP**:- प्रयोगकर्ता के मॉडेम का उपयोग करते हुए डायल-अप विधि से इंटरनेट से जोड़ने हेतु इस प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाता है।

**PPP**:- यह भी डायल-अप इंटरनेट उपयोगकर्ता द्वारा इंटरनेट से जुड़ने के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला प्रोटोकॉल है। यह **SLIP** से आधुनिकतम प्रकार का प्रोटोकॉल है।

**SNMP**:- किसी भी नेटवर्क को सुचारु रूप से चलाने व उनका प्रबंधन करने के लिए इस प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाता है।

### 7 तुलना कीजिए (jan-2013)

#### Compare

#### 1. Domain name and url

#### 2. Internet Vs. Intranet (Jan 20)

#### 3. Dial-up Vs. Leased line.

Domain name	URL
किसी एक वेब साइट का डोमेन नेम एक ही होता है। तथा वह नाम उस साइट की पहचान होती है।	एक वेबसाइट के विभिन्न पेज या घटक का अलग-अलग url होता है, url से साइट या उसके घटक को नहीं पहचाना जाता है।
domain name का प्रयोग सामान्य प्रयोगकर्ता के लिए होता	url को ब्राउज़र एवं वेब सर्वर के लिए प्रयोग किया जाता है।

## Narendra Publication's Best Question Bank

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

है।	
इस का प्रयोग इच्छित वेबसाइट को खोलने के लिए किया जाता है।	इस का प्रयोग वेबपेज के घटक को उससे जुड़े सर्वर से जुड़ने के लिए किया जाता है।
डोमेन नेम किसी url का एक हिस्सा होता है।	किसी वेबसाइट के अलग-अलग घटक के लिए अलग-अलग URL का प्रयोग किया जाता है।
उदाहरण www.narendrapublication.com	उदाहरण http://office.microsoft.com/en-us/default.aspx

## Internet एवं Intranet के बीच का अंतर

इंट्रानेट (Intranet)	इंटरनेट (Internet)
इंट्रानेट में सर्वर की संख्या सीमित होती है।	इंटरनेट पर हजारों सर्वर कार्य कर रहे हैं।
डाटा की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।	डाटा बहुत सुरक्षित नहीं रहता है।
सीमित व्यक्तियों को इस नेटवर्क में प्रवेश मिलता है।	कोई भी व्यक्ति इस नेटवर्क का उपयोग कर सकता है।
इंट्रानेट मुख्य रूप से लोकल एरिया नेटवर्क (LAN) से मिलकर बना होता है।	इंटरनेट नेटवर्कों का नेटवर्क है। इसमें विभिन्न प्रकार के नेटवर्कों (LAN, MAN, WAN) को मिलाकर एक नेटवर्क तैयार किया जाता है।
इंट्रानेट में मेल सर्वर व सूचनाओं का प्रयोग निजी न्यूजग्रुप बनाने में किया जाता है।	इंटरनेट में मेल सर्वर तथा सूचनाओं का प्रयोग सार्वजनिक न्यूजग्रुप बनाने में किया जाता है।

## Narendra Publication's Best Question Bank



## नरेन्द्र पब्लिकेशन

इंट्रानेट की साइट को इंटरनेट साइट की सहायता के बिना नहीं बनाया जा सकता है।	इंटरनेट की <b>Globally Site</b> को सीधे तौर पर बना सकते हैं।
इंट्रानेट पर किसी साइट को अपलोड करने के लिये <b>Web Space</b> की आवश्यकता नहीं होती है। अपितु उसमे प्रयोग होने वाले सर्वर से ही काम किया जाता है।	इंटरनेट पर किसी साइट को चलाने के लिये पहले इस साइट को वेब सर्वर पर अपलोड करने के लिये <b>Web space</b> की आवश्यकता होती है। इसके लिए अलग अलग सर्वर की सेवाएँ ली जाती है।

<b>Dial Up Connection</b>	<b>leased line connection</b>
साधारण टेलीफोन लाइन का प्रयोग करते हुए, निवेदन पर कनेक्शन प्राप्त होता है।	विशेष लाइन एवं <b>DSU</b> रूटर कि आवश्यकता होती है।
गति <b>2400 bps</b> से <b>56 Kbps</b>	गति <b>512 Kbps</b> से <b>20 Mbps</b>
बाकी तकनीको से सस्ता माध्यम है।	लाइन को डालना एवं रखरखाव अधिक खर्चीला है।
बाकी तकनीको की अपेक्षा डाटा स्थानांतरण की गति कम होती है।	डाटा स्थानांतरण की गती अच्छि होती है।
लाइन में कार्य करते समय व्यवधान आ सकता है।	डाटा स्थानांतरण कार्य निर्बाधित रूप से होते रहता है।
सामान्य इंटरनेट प्रयोगकर्ता इस कनेक्शन का प्रयोग कता है।	इस प्रकार के कनेक्शन साधारणतः बड़ी कंपनी या वेब सर्वर के लिए प्रयोग होते है।

 BCST **कॉर्क**  
कंप्यूटर ऐजुकेशन  
मखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध  
प्रवेश प्रारंभ प्रवेश सूचना 2020-21  
**DCA PGDCA**  
कृष्णा टाकीज के पीछे बाजार वाली गली मुलतार्ई मोब 9589995353

# Unit -2

1. **WWW** की विभिन्न सेवाएँ क्या हैं? समझाइए  
**What are the various services of WWW ? Explain**  
(June 19)

उत्तर :- World wide web (WWW) का परिचय  
www का प्रयोग सर्वप्रथम 1989 में CERN (European center for nuclear research) में किया गया था। इस संस्था में वैज्ञानिकों का बहुत बड़ा समूह भौतिकी पर अनुसन्धान कर रहा था। जिसमें अलग अलग वैज्ञानिक विभिन्न देशों से काम कर रहे थे। सभी वैज्ञानिकों की परीक्षण रिपोर्ट, एवं डाटा को एक जगह देखने के लिए वेबसाइट का निर्माण किया गया। यह वेबसाइट सिर्फ टेक्स्ट प्रकार का डाटा ही दर्शाती थी। 1991 में hypertext का प्रयोग किया गया। 1993 में पहला ग्राफिकल interface बनाया गया, जिसे mosaic के नाम से जाना गया। बाद में mosaic को Netscape Communication co. ने विकसित किया। 1994 में CERN और MIT ने वेब के विकास के लिए समझौता किया। जिसमें www के प्रोटोकॉल, विभिन्न वेबसाइट को जोड़ने की सुविधा इत्यादि पर काम किया गया।

वेबसाइट के विविध पेज हायपर टेक्स्ट या हायपर मीडिया तकनीक पर बनाया जाता है। वेबसाइट के पेज में कुछ हिस्सा हायलाइट दिखता है, यदि उसे क्लिक करते हैं तब, आपको उससे सम्बन्धित जानकारी दिखती है। इस हायपर टेक्स्ट को एक कोडेड भाषा HTML (hypertext markup language) में बनाया जाता है। जो नेट पर सूचना या जानकारी के रूप में उपलब्ध होती है उस संरचना को HTML में बनाया जाता है।

वेबसाइट खोलने के लिए वेब ब्राउजर प्रकार के प्रोग्राम की आवश्यकता होती है। आधुनिकतम वेब ब्राउजर में सभी प्रकार के डाटा जैसे टेक्स्ट,

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

मल्टीमीडिया डाटा, पिक्चर, आवाज आदि प्रयोग होते हैं। अब ब्राउजर विभिन्न प्रकार की फाइल को समझ कर उन्हें खोल सकते हैं। जैसे विंडो में स्वयं का **Internet explorer** वेब ब्राउजर है। इसके अतिरिक्त **Netscape, win web** आदि वेब ब्राउजर उपलब्ध हैं। यह सभी विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलते हैं। **Netscape** और **Internet explorer** दोनों के ब्राउजर इंटरनेट पर मुफ्त उपलब्ध हैं। **Navigator** यह ब्राउजर सभी ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे **Windows, Macintosh, Unix,** और **Linux** पर कार्य कर सकते हैं। विंडो में कार्यरत ब्राउजर में निम्न मुख्य घटक होते हैं, 1. **Menu bar** 2. **Toolbar** 3. **Address or location bar** 4. **Viewing window** 5. **status bar** वेब ब्राउजर में इंटरनेट के साइट का पता लिखने के लिए **address bar** का प्रयोग होता है। एक बार उस साइट का नाम टाइप करने के बाद **enter** की बटन दबाये। अब उससे जुड़ा पेज **viewing** स्क्रीन पर दिखाई देता है।

### WWW के लाभ

**www** यह नेटवर्क में एक दूसरे से जुड़े हुए दस्तावेजों का समूह है, जिन्हें **online** देख सकते हैं। इसके निम्न लाभ हैं।

1. **जानकारी देना :-** आप अपनी कंपनी या संस्था की वेब साइट बना कर उसे इंटरनेट पर डाल सकते हैं। इससे कंपनी की जानकारी लाखों लोगों तक पहुंचती है। वर्तमान में डायनामीक पेज से आप अपने उत्पाद या सेवा की बिक्री इंटरनेट के माध्यम से कर सकते हैं। वेब साइट कंपनी की विश्वस्तर पर उपस्थिति दर्ज कराता है। विश्वस्तर पर उपस्थिति दर्ज कराने के लिए इससे आसान, तेज एव सस्ता माध्यम कोई नहीं है। आपके कंपनी, उत्पाद, मूल्य आदि की जानकारी इंटरनेट पर हमेशा रहती है, आपका ग्राहक किसी भी समय इसे देख सकता है।
2. **Networking :-** इंटरनेट में जिस सर्वर में आपकी वेब साइट संग्रहित है, वह दूसरे नेटवर्क से हमेशा जुड़ी रहती है। जिससे आपके ग्राहकों की संख्या बढ़ सकती है। आपको उसके नेटवर्क की चिंता करने की

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

आवश्यकता नहीं है। एक वेब साईट से दूसरे वेब साईट को भी जोड़ा जा सकता है।

3. अतिरिक्त जानकारी देना :- वर्तमान में डायनामिक वेब साईट का निर्माण किया जा सकता है। जिसमें ग्राहक कंपनी से संपर्क कर सकता है, इसे एक फार्म के माध्यम से किया जा सकता है। यदि कोई ग्राहक किसी उत्पाद की अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना चाहता है, तब आप उसे इमेल आदि के द्वारा दे सकते हैं। किसी उत्पाद के बारे में किसी ग्राहक की सूचना भी वेब साईट से प्राप्त कर सकते हैं। उदाहरण के लिए एक होटल की वेब साईट है, तब ग्राहक होटल की वेब साईट को देख, यह जानकारी प्राप्त कर सकता है, कि किसी निश्चित तारीख को होटल में रूम उपलब्ध है या नहीं है।
4. सुविधाजनक :- ग्राहक किसी भी वेब साईट को खोल कर उसकी जानकारी प्राप्त कर सकता है। उसके लिए उसे कही जाने की या अतिरिक्त खर्च करने की आवश्यकता नहीं है। वर्तमान में बहुत से **online shops** इस माध्यम से चल रहे हैं। जिसमें ग्राहक इच्छित उत्पाद की जानकारी वेब साईट के माध्यम से कितने भी बार ले सकता है। एक ही वेब साईट पर हजारों उत्पाद देख सकता है।
5. मानव रहित :- वेब साईट पर सभी क्रियाएँ यह मानव रहित होती हैं। इसमें कोई व्यक्ति बेझिझक वेब साईट खोल सकता, तथा इच्छित जानकारी देख सकता है। उदाहरण के लिए आप किसी दुकान में बहुत बार जाकर एक ही उत्पाद की जानकारी नहीं लेना चाहेंगे, लेकिन वेब साईट पर आप कितनी भी बार उत्पाद की जानकारी ले सकते हैं।

7. क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर क्या है? इसके विभिन्न अवयवों को समझाइये।

What is client-Server Architecture? Explain various Components of client server architecute. (Jan 20, June 19)

या

क्लाइन्ट-सर्वर आर्कीटेक्चर को विस्तार से समझाइए  
Explain client-server architecture in detail (Jan 2016, June 2014)

उत्तर :- Client /server अप्लीकेशन को दो भागों में विभाजित किया जाता है 1. Front end client component और back end server component

### **Client**

अप्लीकेशन के जिस हिस्से को प्रयोगकर्ता (user) प्रयोग करता है, उसे client कहा जाता है। client डाटाबेस के फंक्शन का प्रयोग नहीं करता है। client अपने कार्य server को भेजता है, फिर server उस कार्य के अनुसार डाटा client को भेजता है। कुछ अप्लीकेशन में बहुत सी प्रोसेसिंग यह client के पास ही होती है, तथा जो प्रोसेसिंग client के पास नहीं होती है, उसे server के पास भेजा जाता है। client में कोई भी वेब पेज या साइट स्टोर नहीं होती है, अपितु उसके निवेदन के अनुसार web server उसे इच्छित वेब पेज भेजता है। जब संपूर्ण वेब पेज client के कम्प्यूटर में आता है, तब server से उसका कनेक्शन अस्थायी रूप से टूट जाता है।

### **Server**

किसी भी नेटवर्क पर जो कम्प्यूटर सभी साधनों ( विभिन्न फाइल, सॉफ्टवेयर, डाटा आदि) को स्टोर करता है, तथा उनका साझा करता है, उसे server कहा जाता है। तथा जो कम्प्यूटर किसी साधनों की मांग करता है उन्हें client कहा जाता है। इंटरनेट में जो कम्प्यूटर वेबसाइट के पेज स्टोर करता है, उसे web server कहा जाता है। प्रयोगकर्ता

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

जिस कम्प्यूटर पर कोई वेबसाइट खोलता है, उस कम्प्यूटर को **client** कहा जाता है। **Server** का काम **client** की आवश्यकतानुसार डाटा को प्रोसेस कर भेजना है। बड़े वेब सर्वर में बहुत सी वेबसाइट का डाटा संग्रहित किया जाता है। यदि किसी वेबसाइट का डाटाबेस बहुत बड़ा होता है, तब **server** को एक साथ अलग अलग **client** पर प्रोसेस कर डाटा भेजना पड़ता है। साधारणतः **server** का **configuration** अच्छा या उंचा रखा जाता है। उसकी मेमोरी, गति यह **client** से ज्यादा होती है। **client/server** अप्लीकेशन में डाटाबेस सॉफ्टवेयर यह **server** कम्प्यूटर पर रहता है। तथा जो प्रोग्राम डाटा को प्राप्त करता है, वह **client** कम्प्यूटर पर रहता है।

**Client** अप्लीकेशन में निम्न बातों पर ध्यान दिया जाता है।

1. प्रयोगकर्ता के लिए **graphical user interface** का प्रयोग किया जाता है, जिससे वह आसानी से डाटा को देख या प्राप्त कर सके। इसमें विभिन्न वेब ब्राउजर का प्रयोग किया जाता है।
2. विभिन्न प्रकार के डाटा एन्ट्री फार्म आदि में जानकारी डालने का कार्य क्लायंट कम्प्यूटर पर होता है।
3. बहुतसे सरल **calculation** सीधे क्लायंट मशीन पर ही किये एवं दर्शाये जाते हैं।
4. डाटा एन्ट्री के लिए आवश्यक **validation** बनाये जाते हैं।
5. **server** से डाटा प्राप्त करने या भेजने के लिए आवश्यक सूचना फार्म पर दी जाती है।

**Client** प्रोग्राम को **front end** प्रोग्राम भी कहा जाता है। इसमें सभी इनपुट आउटपुट के कंट्रोल होते हैं। तथा **server** प्रोग्राम को **back end** कहा जाता है। इसमें डाटा से सम्बन्धित सभी प्रोसेसिंग होती है।

वेब **server** में निम्न बातों पर कार्य किये जाते हैं।

1. बहुतसे प्रयोगकर्ता को एक ही सर्वर के अलग अलग हिस्से को एक साथ साझा करने की सुविधा प्रदान करना।
2. डाटा को आवश्यक सुरक्षा प्रदान करना

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

3. संग्रहित वेब पेज एवं अन्य डाटा के **backup** एवं **recovery** का प्रबंध करना
4. सभी **client** अप्लीकेशन मे प्रयोग हो सके, उसके अनुसार डाटा के फॉरमेट मे बदलाव करना।

**Client** और **server** के बीच मे डाटा का आदान-प्रदान यह **communication** सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाता है।



**BCST** कर्क  
कंप्यूटर ऐजुकेशन  
मखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध  
प्रवेश प्रारंभ प्रवेश सूचना 2020-21  
**DCA PGDCA**  
कृष्णा टाकीज के पीछे बाजार वाली गली मुलताई मोब 9589995353

**Narendra Publication's Best Question Bank**

Created by Universal Document Converter



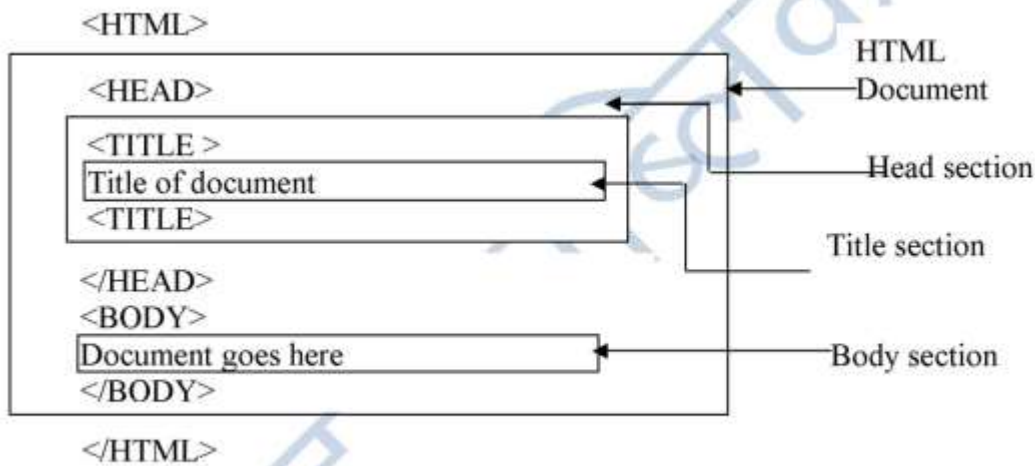
# Unit -3

5. एचटीएमएल प्रोग्राम के स्ट्रक्चर को उदाहरण सहित समझाइये।  
**Explain the structure of HTML program with the example (Jan 20)**

उत्तर HTML टैग की संरचना निम्न प्रकार से होती है।

`<tag option1= value1 option2=value2.....> .....</tag>`

निम्न आकृति में HTML दस्तावेज की मूल संरचना दर्शाई गई है



**<HTML> </HTML> :-**

**<HTML>** यह संरचना का सबसे ऊपर का टैग है। इसके नीचे जो भी टेक्स्ट लिखा जाता है, वह HTML रूप में आता है। **</HTML>** यह टैग HTML पेज खत्म होने का संकेत देता है। इन दोनों टैग के अंदर के डाटा को HTML दस्तावेज कहा जाता है।

**<HEAD> </HEAD> :-** यह पेज का शीर्षक होता है, तथा अन्य सूचनाओं के ऊपर और नीचे होता है। इस टैग में लिखा गया डाटा, वेब पेज में नहीं दर्शाया जाता है।

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

**<TITLE> </TITLE>** :- यह दस्तावेज के शीर्षक (title) को वर्णित करता है, यह टैग शीर्षक के ऊपर और नीचे रहता है। यह शीर्षक ब्राउजर के टायटल बार में दिखता है। यह टैग दस्तावेज के हेड सेक्शन से घिरा हुआ होता है। अर्थात् यह टैग **<HEAD>** और **</HEAD>** के बीच में होता है।

**<BODY> </BODY>** :- इसके अंदर दस्तावेज का वास्तविक डाटा होता है, जो वेब पेज में दर्शाया जाता है। पेज बॉडी के अंदर के टेक्स्ट को अलग अलग आकार के हेडर में डाला जाता है जो **<Hn> </Hn>** टैग में लिखा जाता है। जिसमें n की संख्या यह 1 से 6 तक हो सकती है।

**<META >** :- इस टैग का प्रयोग किसी सर्च इंजन को आपके वेब पेज की जानकारी देने के लिए होता है। सर्च इंजन को जानकारी दो प्रकार से दी जाती है एक **author** के नाम से या दूसरा होम पेज के **header** के द्वारा। उदाहरण के लिए यदि आप चाहते हैं की, जब कोई सर्च इंजन में "Computer Institute" टाइप करें, तब सर्च इंजन आपके साइट का भी नाम दर्शाये, उसके लिए

**<META NAME="KEYWORDS" CONTENT="COMPUTER INSTITUTE" >**

उदाहरण निम्न HTML कोड में इस टैग का प्रयोग किया है।

```
<HTML>
  <HEAD>
    <TITLE> Header and text </TITLE>
  </HEAD>
  <BODY>
    <H1> first level header </H1>
    <H2> first level header </H2>
    <H3> first level header </H3>
    <H4> first level header </H4>
    <H5> first level header </H5>
    <H6> first level header </H6>
```

*this is body text*

---

**Narendra Publication's Best Question Bank**

```
</BODY >  
</HTML>
```

17. फार्म कंट्रोल से आप क्या समझते हैं? किन्ही तीन फार्म कंट्रोलस को समझाइये। इन्हें फॉर्म में रखने के लिये आवश्यक HTML कोड लिखिये। (Jan 20)

What do you understand by form control? Explain the use of any three form controls. Write Necessary HTML Code to place them in form.

उत्तर :- check box :- चेक बॉक्स ऐसे मान को डालने प्रयोग होता है, जिस में एक से ज्यादा इनपुट डालना है। जैसे किसी कैरेक्टर को Bold, Italic, Underline यह तीनों में कोई एक या तीनों भी संयोजन लगाना है।

```
<INPUT TYPE = "CHECKBOX NAME= "CHECKBOXNAME"  
VALUE= "CHECKVALUE " [CHECKED] >
```

उदाहरण

```
<HTML>  
  <HEAD>  
    <TITLE> CHEKCBX </TITLE>  
  </HEAD>  
  <BODY>  
    <CENTER>  
      <H2>  
        WORKING WITH CHECK BOX  
      </H2>  
    </CENTER>  
    <FORM NAME= FORM1>  
      <P>
```

```
<INPUT TYPE = CHECKBOX NAME=BD
ONCLICK= BDCLICKED()> BOLD
</P>
<P>
<INPUT TYPE = CHECKBOX NAME=IT
ONCLICK= ITCLICKED()> ITALIC
</P>
<P>
<INPUT TYPE = CHECKBOX NAME=UL
ONCLICK= ULCLICKED()> UNDERLINE
</P>
</FROM>
</BODY>
</HTML>
```

**Radio button:** - जब प्रयोगकर्ता को उपलब्ध विभिन्न विकल्प में से किसी एक को चुनने के लिए कंट्रोल बनाना हो तब रेडिओ बटन का प्रयोग किया जाता है। रेडिओ बटन बनाने के लिए टैग निम्न प्रकार से है। इस प्रकार के कंट्रोल में किसी एक ही विकल्प को चुना जा सकता है।

```
<INPUT TYPE="RADIO" NAME=BUTTON_NAME"
VALUE="VALUE FOR THIS BUTTON" [CHECKED]" >
```

**NAME, VALUE और CHECKED** एट्रिब्युट का काम चेक बॉक्स के समान ही रहता है। यदि रेडिओ बटन का समुह है और उनमें से किसी एक को सिलेक्ट करना है तब उनका **name** एट्रिब्युट समान रखें अन्यथा एक साथ सभी विकल्प सिलेक्ट हो जाते हैं।

उदाहरण

```
<HTML>
<HEAD>
<TITLE> CHEKCBOSX </TITLE>
</HEAD>
```

```
<BODY>
<CENTER>
<H2>
    WORKING WITH RADIO BUTTON
</H2>
</CENTER>
<FORM NAME=FROM1>
<P>
    <INPUT TYPE = RADIO NAME= SC ONCLICK=
SCCLICKED()> SENTANCES CASE
</P><P>
    <INPUT TYPE = RADIO NAME=SC ONCLICK=
SCCLICKED()> LOWER CASE
</P> <P>
    <INPUT TYPE = RADIO NAME=SC ONCLICK=
SCCLICKED()> UPPER CASE
</P> <P>
    <INPUT TYPE = RADIO NAME=SC ONCLICK=
SCCLICKED()> TITLE CASE </P>
</P> <P>
    <INPUT TYPE = RADIO NAME=SC ONCLICK=
SCCLICKED()> TOGGEL CASE
</P>
</FROM>
</BODY>
</HTML>
```

**Text Area:** - इस कन्ट्रोल का प्रयोग जब प्रयोगकर्ता को बड़ा डाटा (जो कुछ लाइनों का हो सकता है) उसे प्राप्त करना हो तब किया जाता है। यह कन्ट्रोल बनाने के लिए निम्न टैग का प्रयोग करें।

```
<TEXT AREA ROWS=N COLS=M [READONLY]
[DISABLED]> TEXT...</TEXTAREA>
```

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

रों और कॉलम कि संख्या कैरेक्टर के रूप में निश्चित की जाती है।  
readonly एट्रीब्यूट से टेक्स्ट एरिया में बदलाव नहीं किया जा सकता।  
disable एट्रीब्यूट से यह टेक्स्ट एरिया प्रयोगकर्ता के लिए उपलब्ध नहीं होता है।

उदाहरण

```
<HTML>
  <HEAD>
    <TITLE> CHEKCBOX </TITLE>
  </HEAD>
  <BODY>
    <CENTER>
      <H2>
        WORKING WITH TEXT AREA
      </H2>
    </CENTER>
    <FORM NAME=FROM1>
      <P>
        <TEXTAREA NAME=AREA1 ROW=10 COLS=50>
WELCOME IN HTML WORLD
        </TEXTAREA>
      </P>
    </FROM>
  </BODY>
</HTML>
```



BCST **कर्मक**  
कंप्यूटर ऐजुकेशन  
मखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध  
प्रवेश प्रारंभ प्रवेश सूचना 2020-21  
**DCA PGDCA**  
कृष्णा टाकीज के पीछे बाजार वाली गली मुलताई मोब 9589995353

**Narendra Publication's Best Question Bank**

Created by Universal Document Converter

# Unit 4

1. **java script** मे निम्नलिखित स्टेटमेंटस समझाइए  
**Explain the following statement in java script (jan 2013)**

- i. if statement
- ii. for statement
- iii. while statement
- iv. array

उत्तर :- if statement

कोई शर्त (condition) यह सही या गलत है, यह if ..... else स्टेटमेंट से जांचा जाता है। इसमें else हिस्सा यह वैकल्पिक होता है।

if ..... else स्टेटमेंट का सिन्टेक्स

if (condition)

```
{  
    statement if true..  
    .....
```

```
}  
else  
{  
    statement if false  
    .....
```

उदाहरण हमें दो नंबर में से बड़ी संख्या देखना है। उसे max वैरिएबल में स्टोर करना है। इसके लिए निम्न कोड को लिखा जाता है।

```
var x = 15
```

```
var y = 10
```

```
if (x > y )
```

```
{
```

```
    max = x
  }
else
  {
    max = y
  }
```

हम एक **if** या **else** स्टेटमेंट के अंदर दुसरी **if – else** कंडिशन डाल सकते हैं। इस प्रकार के संरचना को “**nested if** “ स्टेटमेंट कहा जाता है।

### for Statement

JavaScript में कोड को दोहराने के लिए सबसे ज्यादा प्रयोग होने वाली संरचना **for .... loop** है। इसकी संरचना निम्न तरीके की है।

```
for ( पहला मान ; तार्किक शर्त ; वृद्धि )
  {
    statement [s] to be repeated
  }
```

उदाहरण

```
sum = 0
for (i=1 ; i<=10 ; i++)
  {
    sum = sum + i
  }
```

ऊपर दिए गये उदाहरण में **i** के मान एक से बढ़ते जाते हैं, तथा सभी अंक **sum** वेरिएबल में जुड़ते जाते हैं। यह क्रिया जबतक **i** का मान **10** नहीं हो जाता तब तक चलता रहता है। इसमें **sum** वेरिएबल में अंतिम मान यह **55** हो जाता है।

### while statement

JavaScript हम दुसरे तरीके से भी **looping** कर सकते हैं।

```
while (condition is true)
  {
```



statement [s] to be repeated

```
-----  
}  
और  
do  
{  
    statement to be repeated  
    -----
```

```
} while (condition [is true] )
```

यदि **continue** स्टेटमेंट लूप में जोड़ गया हो तब बाकी सभी स्टेटमेंट छोड़ दिए जाते हैं तथा लूप फिर से चालू हो जाता है। यदि **break** स्टेटमेंट डाला गया हो तब कंट्रोल सीधे लूप के बाहर हो जाता है।

**auto increment and auto decrement operator**

साधारणतः वेरिएबल मान “+” ऑपरेटर से बढ़ाए जाते हैं।

उदाहरण  $k = k + 1$  हम इसे  $k++$  भी लिख सकते हैं।

$k = k - 1$  हम इसे  $k--$  भी लिख सकते हैं।

$k = k + j$  हम इसे  $k += j$  भी लिख सकते हैं।

$k = k * j$  हम इसे  $k *= j$  भी लिख सकते हैं।

## Arrays

JavaScript में **array** विशेष प्रकार का वेरिएबल होता है, जो एक से ज्यादा मान स्टोर करने में प्रयुक्त होता है। प्रत्येक मान या घटक यह **index** के द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। उदाहरण छात्रों के पांच विषयों के मार्क स्टोर करना है। इसके लिए निम्न **array** बनाई गई है।

```
var marks = new array [5]
```

```
marks [ 0 ] = 85
```

```
marks [ 1 ] = 72
```

```
marks [ 2 ] = 65
```

```
marks [ 3 ] = 68
```

```
marks [ 4 ] = 55
```

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

पहला स्टेटमेंट **array** को घोषित करने के लिए होता है। तथा नीचे के स्टेटमेंट पांच विषयों में मार्क देने के लिए प्रयोग होते हैं। जिसमें **index** यह चौकोर बैकट “[ ] “ में होता है। पहले घटक का **index** यह “0” है। प्रत्येक घटक **element** जैसे **marks[2]** यह वेरिएबल के समान कार्य करते हैं।

## 2. हम जावास्क्रिप्ट की प्रॉपर्टीज को कैसे पढ़ सकते हैं How can we read the properties of JavaScript? explain example

उत्तर:— **javascript** में प्रत्येक आब्जेक्ट के कुछ गुणधर्म होते हैं, जो उसके प्रॉपर्टी से सेट किये जाते हैं। हम आवश्यकता के अनुसार आब्जेक्ट में इच्छित प्रॉपर्टी जोड़ सकते हैं, प्रॉपर्टी में बदलाव कर सकते हैं, या प्रॉपर्टी को हटा सकते हैं। एक आब्जेक्ट में एक से अधिक प्रॉपर्टी हो सकती है। प्रत्येक प्रॉपर्टी का एक नाम होता है, जो उस आब्जेक्ट के साथ लिखा जाता है। **javascript** में आब्जेक्ट एवं प्रॉपर्टी को निम्न सिन्टेक्स में लिखा जाता है।

`objectName.propertyName`

इसमें प्रॉपर्टी को नाम **case sensitive** होता है। प्रत्येक प्रॉपर्टी एक अलग **variable** के रूप में कार्य करती है। आप प्रॉपर्टी को एक मान के साथ भी **define** कर सकते हैं। उदाहरण

इसमें **mycar** नाम का आब्जेक्ट बनाया है, जिसमें **Car.make** नाम की प्रॉपर्टी सेट की है, जिसका मान “ford” है।

```
var myCar = new Object();
```

```
myCar.make = 'Ford';
```

यदि किसी प्रॉपर्टी का मान उसे सेट करते समय निश्चित नहीं है, तब उसे “undefined” के रखा जाता है, उदाहरण

```
myCar.year; // undefined
```

**javascript** में किसी आब्जेक्ट की प्रॉपर्टी को **Square bracket** में लिख कर **define** किया जा सकता है।

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

```
myCar['make'] = 'Ford';
```

आब्जेक्ट प्रॉपर्टी का नाम यह कोई भी **String** हो सकता है, लेकिन इसकी प्रॉपर्टी नाम में **space** या **hyphen** से नहीं होनी चाहिए, या प्रॉपर्टी के नाम की शुरुवात अंक से नहीं होनी चाहिए।

इच्छित प्रॉपर्टी में कौन सा मान है, यह ज्ञात करने के निम्न स्टेटमेंट का उपयोग किया जाता है

```
var propertyName = 'make';
```

```
myCar[propertyName] = 'Ford';
```

जो प्रॉपर्टी [ ] (square bracket) में सेट कि है, उसके मान को देखने के लिए "For" किवर्ड का उपयोग किया जाता है।

आब्जेक्ट की सभी प्रॉपर्टी का मान देखने के लिए "showProps" किवर्ड का उपयोग किया जाता है

उदाहरण

```
showProps(myCar, "myCar")
```

उपरोक्त स्टेटमेंट से mycar आब्जेक्ट के सभी प्रॉपर्टी का मान प्राप्त होता है

```
myCar.make = Ford
```

```
myCar.model = Figo
```

```
myCar.year = 2015
```



BCST **कर्नक**  
कंप्यूटर ऐजुकेशन  
मखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध  
प्रवेश प्रारंभ प्रवेश सूचना 2020-21  
**DCA PGDCA**  
कृष्णा टाकीज के पीछे बाजार वाली गली मुलताई मोब 9589995353

## Unit 5

2. **e-commerce** के बुनियादी लाभ परिभाषित कीजिए । समझाइए **define basic benefits of e-commerce, explain (June 15)**

या

**E-commerce** के **impact** और **benefits** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

**write short note on benefits and impact of e-commerce (June 16)**

या

ई-कामर्स के प्रभावो का समझाइए। एवं ई कामर्स के लाभ एवं हानियों समझाइए

**Explain effects of e-commerce and write advantages and disadvantages of e-commerce**

उत्तर :- ई-कामर्स का प्रभाव

ई-कामर्स प्रणाली ने व्यापार करने का तरीका बदल दिया हैं। इस प्रणाली से व्यापार में बहुतसे नये आयाम जुड गये हैं। ई-कामर्स से निम्न तरीके से बदलाव आये है

- अब किसी व्यापार के लिए भौगोलिक सीमा नही रही है, वह दुरस्थ देशों में भी अपने उत्पाद सेवा आदि बेच सकता हैं।
- इस प्रणाली से व्यापार करने का तरीका बदल गया है, अब व्यापारी को अपने प्रत्येक उत्पाद या सेवा को अच्छे तरीके के पेश करना पडता है, उत्पाद की जानकारी अधिक से अधिक प्रयोगकर्ता तक पहुंचना पडता हैं। आपूर्ति एवं डिलीवरी का तरीका बदल गया हैं।

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

- इस प्रणाली से व्यापार में पारदर्शिता आ गई है। वस्तु या सेवा की सभी जानकारीयों साईट पर दी होती हैं। यदि नहीं दि है, तब ग्राहक उसे आसानी से प्राप्त कर सकता है।
- ग्राहक के लिए एक प्रकार के उत्पाद को प्राप्त करने के बहुत से विकल्प उपलब्ध हो गये हैं।
- वेबसाइट बनाना, सर्वर बनाना आदि नये व्यापार का सृजन हुआ है।
- जो वेब साईट उत्पाद का व्यापार करती है, वह साधारणतः बहुत अधिक **inventory** नहीं रखती हैं। इससे रखने की लागत कम हो जाती है, जैसे गोडाउन का किराया, इलेक्ट्रीक बिल, आदि। सामान को संभालने की लागत भी कम हो गई है, जैसे समान का बीमा, चौकीदार आदि।
- ग्राहक के समय, पैसे आदि की बचत होती है।

### ई-कामर्स के लाभ

1. कंपनी बहुत कम लागत से विश्व के सभी कोने के लोगों तक पहुंच सकती है। पारंपरिक प्रणाली में जहाँ पर आपकी दुकान है, उसी के आस पास के खरीददार आप तक आते हैं, लेकिन इस प्रणाली आपके उत्पाद को विश्वभर कहीं से देख एवं खरीदी कर सकते हैं। इस प्रणाली से आपके विज्ञापन, कमीशन आदि खर्चे बच जाते हैं।
2. कंपनी अपने ग्राहकों से सीधे जुडी रहती है, इसलिए सभी तरह की शिकायत, सुझाव तेजी से अमल में लाए जा सकते हैं।
3. ब्रिकी या खरीदी किसी भी समय (दिन या रात) या छुट्टी के दिन कि जा सकती हैं।
4. इस प्रणाली से उत्पाद या सेवा की खरीदी कम्प्यूटर से दि जाती है, जिससे ग्राहक की दुकान तक जाने का समय, खर्चा आदि में बचत होती है।
5. साधारणतः ई-कामर्स में खरीदी के लिए एक फार्म भरना पडता है, कंपनी उस ग्राहक का नाम, पता, फोन नं, ई मेल पता इत्यादि अपने पास रखती हैं। यदि उस कंपनी का नया उत्पाद आता है, तब उसके

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

- बारे में जानकारी बहुत आसानी से संभावित ग्राहको तक पहुंचा सकती हैं।
6. ग्राहको का डाटाबेस रहने से, ग्राहको की चाहत, उत्पाद के बारे में उनकी सूचना इत्यादि आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।
  7. कुछ वेब साईट अलग-अलग कंपनीयों के एक समान उत्पाद का व्यापार करती है, उदाहरण के लिए कुछ वेब साईट विभिन्न कंपनीयों के मोबाइल फोन की जानकारी दर्शाती हैं। इससे ग्राहक विभिन्न उत्पादों के बीच में तुलना कर, अच्छा सौदा कर सकता हैं।
  8. इसमे बिचौलिए नहीं होते है, इसलिए ग्राहक तक कंपनी का **original** माल ही पहुंचता हैं।
  9. सेवा संबंधि उत्पाद में आसानी से सेवा के बारे में जानकारी दी या ली जा सकती हैं। उदाहरण के लिए किसी ग्राहक को कोई होटल का रूम बुक करना है, पारंपरिक पद्धति से वह ग्राहक उस रूम या होटल को नहीं देख सकता, लेकिन इंटरनेट के द्वारा वह आसानी से इच्छित रूम को देख कर उसे बुक कर सकता हैं।
  10. कंपनी का बड़े शोरूम बनाने का एवं उसके प्रबंधन करने का खर्चा बच जाता हैं।
  11. वर्तमान में कम्प्यूटर एवं इंटरनेट को कनेक्शन सस्ता हो गया है, इसके कारण इस प्रणाली से कोई वस्तु खरीदना पारंपरिक प्रणाली से सस्ता पडता हैं।
  12. कुछ प्रोडक्ट सीधे ही कम्प्यूटर पर डाउनलोड हो जाते है, जैसे गाने, सॉफ्टवेअर इत्यादि। अर्थात कुछ सेवाओं की डिलीवरी तुरंत हो जाती हैं।
  13. किसी उत्पाद या कंपनी के बारे में आसानी से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ उत्पाद या सेवाओं के बारे कुछ उपयोगकर्ता अपनी राय भी रखते है, जिससे उत्पाद चुनने में आसानी होती हैं।

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

14. खरीदी की गोपनीयता रहती हैं। क्योंकि ग्राहक किसी वस्तु का आर्डर अपने घर से ही देता है, तथा वह वस्तु सीधे उसके घर पर ही पहुंचती हैं।

**ई-कामर्स निम्न व्यापार में उपयोगी है**

कुछ आनलाइन शॉपिंग से वस्तु खरीदना जैसे कैमेरा, किताब, रेडिमेड कपड़े, सॉफ्टवेयर इत्यादि कुछ ऑनलाइन शॉपिंग **yahooshopping, India shopping, Rediff shopping, Amazon bookstore** इत्यादि उपलब्ध हैं।

ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से ग्राहक आसानी से अपना पैसा एक एकाउंट से दूसरे अकाउंट में भेज सकता है। ऑन लाइन स्टाक ट्रेडिंग से शेयर मार्केट का काम काफी आसान एवं पारदर्शी हो गया है।

**ई-कामर्स की सिमाए,**

- 1) ई-कामर्स जल्दी खराब होने वाले उत्पाद जैसे फल, सब्जी, में उपयोगी नहीं हैं। साथ ही ऐसे उत्पाद में भी उपयोगी नहीं है, जो लोकल ही बनते हैं, तथा वहीं बिकते हैं जैसे बर्तन, छोटे औजार इत्यादि।
- 2) वर्तमान में भी इंटरनेट का उपयोग सीमित है, इसलिए सभी व्यक्तियों तक उत्पाद नहीं पहुंचते हैं।
- 3) ई-कामर्स के वेब साईट, इमेल आदि की सुविधा देना पड़ता है, जो छोटे व्यापारी के लिए मंहगा साबित होता है।
- 4) ऐसे उत्पाद जिसका गुणवत्ता स्पर्श कर हि जानी जा सकती है, जैसे उत्पाद में यह प्रणाली कारगर नहीं हैं। जैसे कोई चमड़े का बैग, कपड़े आदि की क्वालीटी स्पर्श कर ही जानी जाती हैं।
- 5) नये ग्राहक के लिए, इस प्रणाली में खरीददारी करने में मुश्किल होती हैं।
- 6) ग्राहक के क्रेडीट कार्ड की जानकारी आसानी से चुराई जा सकती हैं।
- 7) ग्राहक किसी उत्पाद को लेने के पहले उसे जांच नहीं सकता हैं।
- 8) कभी कभी ग्राहक का भुगतान होने के बाद भी वह वस्तु ग्राहक तक नहीं पहुंचती ।

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

- 9) यदि ग्राहक किसी वस्तु से असंतुष्ट है, तब उस वस्तु को वापस करना या बदलना बहुत मुश्किल हो जाता है।
- 10) सर्वर बंद होने से या उसमें कुछ खराबी आने से उस कंपनी का व्यापार रूक जाता है।

8. निम्न पर टिप्पणी लिखिएं  
**Write notes on following**
1. peer to peer payment
  2. e-wallet
  3. e-cheque
  4. e-cash

उत्तर :-

### **Peer to peer payment**

दो व्यक्तियों बीच में पैसे के लेन-देन को उनके इमेल एकाउंट का प्रयोग करते हुए संपादित करने की प्रणाली को **peer to peer payment** प्रणाली कहा जाता है। इस प्रणाली में उन दोनों व्यक्ति के एकाउंट **e-cash** अनुकूल बैंक में होने चाहिए। **PayPal** इस प्रकार की प्रणाली का उदाहरण है। **paypal** के माध्यम से लेन-देन का कार्य बहुत तेजी से संपादित होता है। यह प्रणाली उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त है, तथा भुगतान करने वाले व्यक्ति को अपने क्रेडिट कार्ड का जानकारी डालना आवश्यक नहीं है। **Paypal** इच्छित व्यक्ति या संस्था के इमेल एकाउंट में पैसे स्थानांतरित करने की सुविधा देता है। **Paypal** में भुगतान करने वाला व्यक्ति एवं प्राप्त करने वाले व्यक्ति का बैंक एकाउंट अलग-अलग बैंक में होने से भी सही तरीके से पैसे स्थानांतरित हो जाते हैं। जिन्हें **Paypal** के माध्यम से भुगतान करना है, उन्हें [www.x.com](http://www.x.com) पर एकाउंट बनाना पड़ता है, तथा कितने पैसे स्थानांतरित करना है, वह बताना पड़ता है। बताई गई रकम, प्रयोगकर्ता के कार्ड से निकाल ली जाती है, तथा भुगतान प्राप्त करने वाले व्यक्ति को इमेल द्वारा सूचना दी जाती है। जब भुगतान प्राप्त करने वाला व्यक्ति

**Narendra Publication's Best Question Bank**



## नरेन्द्र पब्लिकेशन

उस इमेल को प्राप्त करता है, तब उसे **paypal** में पंजिकृत होना पड़ता है, उसके बाद वह भुगतान को अपने बैंक में स्थानांतरित कर सकता है। इसी तरीके से **peer to peer payment** प्रणाली कार्य करती हैं। उपरोक्त सभी पद्धतियाँ अलग-अलग हैं, लेकिन सभी प्रणालियाँ वित्तीय संस्थान या बैंक से जुड़ी हैं। ई-कामर्स की सफलता के लिए भुगतान प्रणाली को एक समान मापदंड में तैयार करना आवश्यक है। जो भी व्यक्ति या सस्थां माल या सेवा बेचती है, उसे भुगतान प्राप्त होने की निश्चिंतता होनी चाहिए, तथा जो भुगतान उसे प्राप्त हुआ है, वह उसके देश में वैध होनी चाहिए। ग्राहक के दृष्टीकोण से यह आवश्यक है, जो भुगतान कर रहा है, वह सही जगह जाना चाहिए। ग्राहक एवं बेचनेवाले व्यक्ति दोनों के इलेक्ट्रानिक भुगतान सुरक्षित एवं गोपनीय होना आवश्यक हैं।

### **E-wallet** ई बटुआ

जो उपयोगकर्ता इंटरनेट पर बार-बार खरीदी करते हैं, उनके लिए यह माध्यम बहुत उपयोगी होता है। यह आपके पर्स या बटुये समान होता है, जिसमें आप अपने सब क्रेडीट कार्ड, डेबीट कार्ड, कुछ नकद रखते हैं। इसमें क्रेडिट कार्ड, पासवर्ड **PIN** आदि की जानकारी संग्रहित की जाती हैं। इसे कम्प्यूटर के साथ छोटे डिवाइस जैसे स्मार्ट मोबाइल फोन, पाम टॉप कम्प्यूटर आदि में भी प्रयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन खरीदी के लिए यह एक सुरक्षित, सुविधाजनक, माध्यम है। **e-wallet** में प्रयोगकर्ता को अपने खरीद, भुगतान आदि को रिकार्ड करने की सुविधा मिलती है। **e-wallet** में **e-cash**, **e-cheque** की भी जानकारी संग्रहित की जा सकती है। **e-wallet** का उपयोग छोटे भुगतान के लिए भी किया जा सकता है। इस प्रणाली से प्रयोगकर्ता को इंटरनेट पर बार-बार व्यक्तिगत जानकारी डालने से मुक्ति मिलती है।

**Micro payment** :- इस पद्धति का उपयोग छोटे या बहुत छोटे भुगतान के लिए किया जाता है। यद्यपि यह प्रणाली अधिक खर्चीली है।

### **E-check (Electronic Cheque )**

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

**e-check** यह कागजी चेक का इलेक्ट्रानिक रूप है। इसे विभिन्न बैंक, सरकारी संस्थाएँ, सॉफ्टवेयर कंपनियों आदि के सम्मिलित सहयोग से बनाया गया है। ईचेक को भी वो ही कानूनी मान्यता है, जो कागज के चेक को होती है। ऑनलाइन लेन-देन के लिए यह उच्च सुरक्षित, तेज, सुविधाजनक साधन है। साधारणतः बड़ी कंपनियाँ इस माध्यम का प्रयोग करती हैं। जहाँ पर बाकी इलेक्ट्रानिक भुगतान पद्धतियों में कुछ जोखिम होते हैं, वही यह प्रणाली अधिक सुरक्षित है। इस माध्यम से विभिन्न वित्तीय दायित्वों का तेजी से भुगतान किया जा सकता है।

### Electronic Cash

दो व्यक्ति जब नगद व्यवहार करते हैं, तब उन दोनों के बीच में बैंक या वित्तीय संस्थान की आवश्यकता नहीं होती है। इसी प्रकार से **e-cash** में जब दो प्रयोगकर्ता लेन-देन करते हैं, उनके बीच में बैंक की भूमिका नहीं होती है। **e-cash** यह क्रेडीट, डेबीट कार्ड आदि की पूरक है एवं अधिक सुविधाजनक प्रणाली है। इस प्रणाली के लिए मायक्रोप्रोसेसर युक्त एक स्मार्ट का उपयोग किया जाता है। इस कार्ड में वांछित मूल्य की रकम एवं सुरक्षा प्रणाली डाली जाती है। वर्तमान में **mastercard, visa** आदि कंपनियाँ इस प्रकार के कार्ड की सुविधा देती हैं। इस प्रणाली में ग्राहक अपने कम्प्यूटर से सीधे व्यापारिक वेबसाइट पर भुगतान कर सकता है। इस प्रणाली में कोई **PIN (Personal identification number)** कोड या अधिकृत कोड की आवश्यकता नहीं होती है। **e-cash** में भुगतान टेलिफोन या इंटरनेट द्वारा किया जा सकता है। कार्ड में लगी हुई चीप में सभी भुगतान का रिकार्ड होता है। यह कार्ड दो प्रकार के होते हैं, एक में सिर्फ **e-cash** की सुविधा होती है, दूसरे **e-cash** के साथ ही डेबीट कार्ड की सुविधा होती है।

**Diploma in Computer Application (Second Semester)**

**internet and eCommerce  
Examination may/ june 2019**

**इकाई 1 (Unit 1)**

1. (a) वर्ल्ड वाइड वेब से आप क्या समझते हैं? इसके लाभ और नुकसान को बताइए।

**What do you understand by world wide web(www)? explain its advantages and disadvantages**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 1 तथा पेज क्रं. 27. देखें।

(b) निम्न को समझाइए  
**Explain the following**

- (i) HTTP
- (ii) DNS
- (iii) web server
- (iv) internet services

उत्तर :-

http :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 4 तथा पेज क्रं. 7 देखें।

DNS:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 4 तथा पेज क्रं. 7 देखें।

web Server :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 33 देखें।

Internet service :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 33 देखें।

or

2.(a) टीसीपी और यूडीपी प्रोटोकॉल के बीच अंतर को समझाइए।

**Explain the difference between TCP and UDP protocol**

उत्तर :-

<b>TCP</b>	<b>User datagram protocol</b>
यह बहुत अधिक तेज प्रणाली नहीं है, लेकिन भेजा गया डाटा, वांछित जगह पर नहीं पहुंचता है, तब उसका <b>error</b> संदेश प्रदर्शित होता है।	यह बहुत सरल एवं तेज प्रणाली है, लेकिन इसमें यदि कोई संदेश वांछित जगह पर नहीं पहुंचता है, तब उसका <b>error</b> संदेश नहीं दर्शाया जाता है।
यदि संदेश इच्छित जगह नहीं पहुंच पाया है, तब उसे फिर से भेजने का प्रयास किया जाता है।	यदि संदेश इच्छित जगह नहीं पहुंच पाया है, तब उसे फिर से भेजने का प्रयास नहीं किया जाता है।
डाटा को पैकेट के रूप में भेजा जाता है।	संदेश को <b>datagram</b> के रूप में रखता है। एक <b>datagram</b> में एक संदेश की इकाई रहती है,
जहाँ <b>client -server</b> प्रकार की प्रणाली को उपयोग होता है, वहाँ इस प्रोटोकॉल का अधिक प्रयोग किया जाता है।	लेकिन जहाँ संदेश तेजी से भेजना है, या जहाँ एक साथ बहुत लोग आपस में संदेशों का आदान-प्रदान कर रहे हैं वहाँ पर इस प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाता है।
बड़े आकार के डाटा के लिए अधिक उपयुक्त है।	कम या छोटे आकार के डाटा के लिए उपयुक्त प्रोटोकॉल है।
डाटा स्थानांतरण के पहले कनेक्शन जांचा जाता है।	बिना जांच के डाटा को भेजा जाता है।

- (b) डोमेन के पंजीकरण के क्या चरण है, बताइए  
**Explain all the step involved in domain name registration**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 17 तथा पेज क्रं. 22 देखें।

**इकाई 2 (Unit 2)**

- 3(a) इंटरनेट से आपका आशय क्या है? इसके उपयोग को विस्तृत रूप से समझाइए  
**What do you understand by term internet? explain its applications in detail**

उत्तर:-इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 33 देखें।

- (b) एफटीपी प्रोटोकॉल और इसके उपयोग को बताइए  
**Describe FTP protocol and explain its uses**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 19 तथा प्रश्न क्रं. 14 देखें।

or

4. निम्न को संक्षेप में समझाइए  
**Explain the following in brief**  
i. Client server architecture  
ii. Remote login  
iii. Web browser

#### iv. Search engine

उत्तर:-

**Client server architecture:-** इस प्रश्न के उत्तर के नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के लिए पेज क्रं. 37 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

**Remote Login:-** इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 18 तथा प्रश्न क्रं. 12 देखें।

**Web Browser:-** इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 28 तथा प्रश्न क्रं. 2 देखें।

**Search Engine:-** इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 29 तथा प्रश्न क्रं. 3 देखें।

#### इकाई 3 (Unit 3)

5. निम्न को समझाइए  
**Explain the following**  
i. Table tag  
ii. List tag  
iii. Anchor tag  
iv. Image tag

उत्तर:-

**Table tag:-** इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 54 तथा प्रश्न क्रं. 18 देखें।

**List tag:-** इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 47 तथा प्रश्न क्रं. 12 देखें।

**Anchor Tag :-** इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 47 तथा प्रश्न क्रं. 12 देखें।

Or

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

6(a). एचटीएमएल फॉर्म से आप क्या समझते हैं? फॉर्म बनाने के लिए एचटीएमएल कोड लिखिए।

**what do you understand by forms in HTML?**

**write HTML code to create a form**

उत्तर:— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 52 तथा प्रश्न क्रं. 17 देखें।

(b) एचटीएमएल में वेबपेज डिजाइन बैकग्राउंड और कलर कंट्रोल की भूमिका क्या है?

**What is the role of background and colour**

**control in designing of a webpage in HTML?**

उत्तर:— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 52 तथा प्रश्न क्रं. 16 देखें।

### इकाई 4 (Unit 4)

7(a) एक जावा स्क्रिप्ट में कोड लिखिए, जो यह ज्ञात करें कि दिया गया नंबर प्राइम है या नहीं।

**write a JavaScript code to find the given**

**number is prime or not**

उत्तर:— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 65 तथा प्रश्न क्रं. 1 देखें।

(b) जावास्क्रिप्ट में कंडीशनल स्टेटमेंट को उदाहरण के साथ समझाइए

**Explain the conditional statement in**

**JavaScript with example**

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

उत्तर:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 65 तथा प्रश्न क्रं. 1 देखें।

or

8(a) जावा स्क्रिप्ट को उसकी विशेषताओं के साथ बताइए।

### **Explain JavaScript with its feature**

उत्तर:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 71 तथा प्रश्न क्रं. 10 देखें।

(b) जावास्क्रिप्ट में इवेंट से क्या आशय है? किन्ही दो उदाहरण के साथ बताइए

### **what do you understand by event in JavaScript? describe any two events with suitable example**

उत्तर:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 71 तथा प्रश्न क्रं. 9 देखें।

## इकाई 5 (Unit 5)

9. ई कॉमर्स क्या है? ई-कॉमर्स के फ्रेमवर्क का वर्णन कीजिए

### **What is e-commerce? describe the framework of e-commerce**

उत्तर:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 73 तथा प्रश्न क्रं. 1 देखें।

Or



## नरेन्द्र पब्लिकेशन

10. ईपीएस क्या है? इसकी विशेषताएं बताएं और लाभ बताइए

**what is EPS? explain various feature  
problems and advantages of EPS**

उत्तर:— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 75 तथा प्रश्न क्रं. 3 देखें। तथा दूसरे हिस्से के उत्तर के लिए पेज क्रं. 79. तथा प्रश्न क्र. 5 देखें।



BCST **कर्नाक**  
कंप्यूटर ऐजुकेशन  
मखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध  
प्रवेश प्रारंभ **प्रवेश सूचना 2020-21**  
**DCA PGDCA**  
कृष्णा टाकीज के पीछे बाजार वाली गली मुलताई मोब 9589995353

**Narendra Publication's Best Question Bank**

Created by Universal Document Converter

**Diploma in Computer Application (Second Semester)**

**Internet and eCommerce  
Examination Dec 2019/ Jan 2020**

**Unit 1**

**1.(a) इंटरनेट क्या है? इसके लाभ और हानियों को लिखिए**  
**What is internet? Write its advantages and disadvantages**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 4 तथा प्रश्न क्रं. 2 देखें। इस प्रश्न के दूसरे हिस्से के उत्तर के लिए पेज क्रं. 33 तथा प्रश्न क्रं. 5 देखें।

**1.(b) इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर (ISP) का क्या कार्य है?**  
**What is the function of internet service provider (ISP)?**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 13 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

**Or**

**2(a). इंटरनेट और इंट्रानेट के बीच अंतर लिखिए।**  
**Write the difference between internet vs intranet**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 13 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

**2(a). वेब पब्लिशिंग की अवधारणाओं का वर्णन कीजिए।**  
**Explain web publishing concept**

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

---

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 24 तथा प्रश्न क्रं. 19 देखें।

### Unit 2

3(a). वेब सर्वर का वर्णन कीजिए **URL( Universal resource locator)** यूआरएल क्या है?

**Explain web server. what is URL( Universal resource locator)?**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 16 तथा प्रश्न क्रं. 10 देखें।

3(a). क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर का वर्णन कीजिए

**Explain client server architecture**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 37 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

Or

4(a). **Modem** क्या है

**What is modem**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 13 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

4(a). रिमोट लॉगइन अवधारणाएं क्या है

**What is remote login concept?**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 18 तथा प्रश्न क्रं. 12 देखें।

### Unit 3

---

**Narendra Publication's Best Question Bank**

5(a). **HTML** वेब पेज की संरचना को लिखिए

**Explain the structure of the HTML webpage**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 42 तथा प्रश्न क्रं. 5 देखें।

5(a). एचटीएमएल के **List Element** को उदाहरण सहित समझाइए

**Explain list elements of the HTML with example**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 47 तथा प्रश्न क्रं. 12 देखें।

**Or**

6(a). उदाहरण के साथ **Forms** की व्याख्या कीजिए

**Discuss forms with example**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 52 तथा प्रश्न क्रं. 17 देखें।

6(a). **HTML** में एक **Table** डिजाइन कीजिए और उसे समझाइए

**Designer table in HTML and explain it**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 54 तथा प्रश्न क्रं. 18 देखें।

**Unit 4**

7(a). जावास्क्रिप्ट क्या है? जावास्क्रिप्ट के लूपिंग स्ट्रक्चर क्या है?

**What is JavaScript? what are the looping structure in JavaScript**

उत्तर :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 65 तथा प्रश्न क्रं. 1 देखें।

7(a). जावास्क्रिप्ट में फाइबोनेसी शृंखला की गणना कैसे करेंगे

**How to calculate fiboinoci series in JavaScript**

उत्तर:— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 69 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

**Or**

8(a). हम जावास्क्रिप्ट की प्रॉपर्टीज को कैसे पढ़ सकते हैं

**How can we read the properties of JavaScript?**

**explain example**

उत्तर:— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 13 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

8(a). एट्रिब्यूट्स और प्रॉपर्टीज में क्या अंतर है

**What is the difference between attributes and properties**

उत्तर :— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 13 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

## **Unit 5**

9(a). इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली क्या है? इसके लाभ और हानियों का वर्णन कीजिए

**What is the electronic payment system? explain it advantages and disadvantages**

उत्तर:— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 74 तथा प्रश्न क्रं. 3 देखें।

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

9(a). **e-cash** को परिभाषित कीजिए और स्मार्ट कार्ड की व्याख्या कीजिए

**Define e-cash and explain smart card**

उत्तर:— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 83 तथा प्रश्न क्रं. 8 देखें।

Or

10(a). ई-कॉमर्स क्या है? इसकी विशेषताएं बताइए, ई-कॉमर्स प्रैक्टिस और ट्रेडिशनल प्रैक्टिस की तुलना कीजिए

**What is e-commerce? explain its features and compare E-Commerce practice versus traditional practice**

उत्तर:— इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 73 तथा प्रश्न क्रं. 1 देखें।

उत्तर:—

10(a). निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए

**explain the following**

- 1. e-Banking**
- 2. e-Wallet**
- 3. E-shopping**
- 4. E-marketing**

उत्तर:—

e-banking :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 80 तथा प्रश्न क्रं. 6 देखें।

e-wallet :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 82 तथा प्रश्न क्रं. 8 देखें।

---

**Narendra Publication's Best Question Bank**

## नरेन्द्र पब्लिकेशन

e-shopping :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 13 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

e-marketing :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के लिए पेज क्रं. 85 तथा प्रश्न क्रं. 10 देखें।

पिछले परीक्षाओं में नरेन्द्र पब्लिकेशन क्वेश्चन बैंक से लगभग 95% से 100% क्वेश्चन आए हैं



BCST **कर्नल**  
कंप्यूटर ऐजुकेशन  
मखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध  
प्रवेश प्रारंभ प्रवेश सूचना 2020-21  
**DCA PGDCA**  
कृष्णा टाकीज के पीछे बाजार वाली गली मुलताई मोब 9589995353

**Narendra Publication's Best Question Bank**

Created by Universal Document Converter

नरेन्द्र पब्लिकेशन

परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए नरेन्द्र की QB का प्रयोग

करे।

निकटतम बुक स्टोर में नरेन्द्र की QB मांगे, यदि मिलने में

समस्या आती है तो, 9371095585 नंबर पर सम्पर्क करें

KANAK Computer Education, Multai  
Admission Open (DCA / PGDCA )

Mob 9589995353,

Website [www.bcstkanak.in](http://www.bcstkanak.in)

---

**Narendra Publication's Best Question Bank**

Created by Universal Document Converter



20 वर्षों से अधिक समय से  
छात्रों की पहली पसंद

- सरल भाषा
- सटिक उत्तर
- पूर्व परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न के उत्तर सहीत
- अधिकांश शिक्षकों द्वारा प्रमाणित

Published By



Narendra Publication  
R-268, Near Devanjali  
Appt. Reshimbagn Nagpur  
Mob : 9371095585, 9822231334  
website : www.examtak.com

Rs. 70/-

**Narendra Publication's Best Question Bank**

Created by Universal Document Converter